राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय,

अलीगढ़, उत्तर प्रदेश

एम.ए. (हिन्दी) हेतु नई शिक्षा नीति 2020 के आधार

पर तैयार पाठ्यक्रम

सत्र–2022–23

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय अलीगढ़ उत्तर प्रदेश

एम.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर आधारित दो वर्षीय पाठ्यक्रम–2022–23
पाठ्यक्रम का निर्धारित प्रारूप एवं अंक योजना
पाठ्यक्रम का निर्धारण आन्तरिक एवं बाह्य परीक्षाओं में कुल 100 अंकों में विभाजित है,
जिसे बाह्य परीक्षा (75 अंक) तथा आन्तरिक मूल्यांकन (25 अंक) में विभाजित किया गया है
आन्तरिक मूल्यांकन (25 अंक) – (क) मध्यावधि परीक्षा – 15 अंक
(ख) परियोजना कार्य(असाइनमेंट)–05 अंक (ग)अनुशासन एवं कक्षा में विद्यार्थी की सहभागिता–05 अंक
एम.ए. (हिन्दी) हेतु सेमेस्टर आधारित प्रश्न पत्रों का शीर्षक

वर्ष	कोड	केटेगरी	प्रश्न पत्र शीर्षक	Credits	Theory / Practical	Evaluation	
						Internal	External
	Semester VII(Year-I)						
I	RA010101T	Major One	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल)	5	T	25	75
	RA010102T	Major Two	आदिकालीन एवं रीतिकालीन काव्य	5	T	25	75
	RA010103T	Major Three	भक्तिकालीन काव्य	5	T	25	75
	RA010104T	Major Four	जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता	5	T	25	75
	RA010105T	Miner elective (Select any one from above four)	माइनर ऐच्छिक– अन्य संकायो के लिये	4	T	25	75
	RA010106R	Research project	Topic Selection from Major Subjects/Review of Literature/Survey	4	R		
			TOTAL CREDITS	**28**			
	Semester VIII(Year-I)						
I	RA010201T	Major one	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	5	T	25	75
	RA010202T	Major Two	आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक)	5	T	25	75
	RA010203T	Major Three	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा का विकास	5	T	25	75
	RA010204T	Major four	वैकल्पिक (क) अस्मितामूलक विमर्श (ख) अनुवाद : सिद्धान्त एवं व्यवाहर	5	T	25	75
	RA010205R	Research project	Research Project Report Writing/Report Submission/Evaluation	4	R	50	50
				24			
			TOTAL CREDITS	**52**			
	Semester IX(Year-II)						
II	RA010301T	Major One	आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावादोत्तर काल)	5	T	25	75
	RA010302T	Major Two	हिन्दी कथा – साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)	5	T	25	75
	RA010303T	Major Three	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	5	T	25	75
	RA010304T	Major Four Optional (Select any one)	विशिष्ट कवि अथवा लेखक (किसी एक कवि अथवा लेखक का अध्ययन) वैकल्पिक (क) कबीरदास (ख) जायसी (ग) सूरदास (घ) तुलसीदास (ड.) मैथिलीशरण गुप्त (च) जयशंकर प्रसाद (छ) निराला (ज) प्रेमचन्द (झ) रामचंद्र शुक्ल	5	T	25	75
	RA010305R	Research project	Topic Selection from Major Subjects/Review of Literature/Survey	4	R		
			Total Credits	**24**			
	Semester X(Year-II)						
	RA010401T	Major One	नाटक एवं गद्य की अन्य विधाएँ	5	T	25	75
II	RA010402T	Major Two Optional (Select any one)	वैकल्पिक – (क) हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि (ख) भारतीय साहित्य	5	T	25	75
	RA010403T	Major Three Optional (Select any one)	वैकल्पिक – (क) हिन्दी आलोचना (ख) हिन्दी सिनेमा और साहित्य	5	T	25	75
	RA010404T	Major four Optional (Select any one)	वैकल्पिक – (क) लोक साहित्य (ख) प्राचीन भाषा पालि	5	T	25	75
	RA010405R	Research project	Research Project Report Writing/Report Submission/Evaluation	4	R	50	50
				24			
			TOTAL CREDITS	**48**			

(Dr. Sunanda Mahajan)
Convenor, Board of Studies in Hindi

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, अलीगढ़

एम.ए. (हिन्दी)

प्रथम सेमेस्टर –प्रथम प्रश्नपत्र

पाठ्यक्रम का नाम : हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)
पाठ्यक्रम कोड : RA010101T

इकाई	पाठ्यक्रम
1	हिंदी साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रंथ एवं रचनाकार, इतिहास दर्शन और इतिहास लेखन की आवश्यकता
2	हिंदी साहित्य के इतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएं, हिंदी साहित्य का कालविभाजन और नामकरण।
3	आदिकाल की सामान्य विशेषताएँ एवं युगीन प्रवृत्तियाँ, रासो काव्य परंपरा, जैन, सिद्ध एवं नाथ साहित्य का परिचय।
4	भक्ति– आन्दोलन के उदय के कारण एवं युगीन प्रवृत्तियाँ, निर्गुण एवं सगुण भक्ति का स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ, भक्तियुगीन काव्यधाराएँ, वैष्णव भक्ति का उदय एवं आलवार संत।
5	रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रीतिसिद्ध, रीतिबद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधाराएँ, रीति कवियों का आचार्यत्व, रीतिकवियों का सौन्दर्य बोध ।

प्रस्तावित पुस्तकें–

1. हिंदी साहित्य का इतिहासः रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, 1988
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली : 2017
3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन दिल्ली : 2008
4. हिन्दी साहित्य का अतीत(दो खंड) : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र,वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2012
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेन्द्र, मयूर पेपर बैक्स, दिल्ली : 2018
6. हिन्दी रीति साहित्यः भागीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1999
7. परंपरा का मूल्यांकन : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली : 2004
8. लोक जागरण और हिंदी साहित्य : रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1990
9. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास : विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरिएंट ब्लैकस्वान, दिल्ली, 2007
10. वैष्णव भक्ति का उद्भव और विकासः सुवीरा जायसवाल, ग्रंथशिल्पी, दिल्ली, 1996
11. रीतिकाव्य की भूमिकाः डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1953
12. साहित्य और इतिहास दृष्टिः मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली,
13. इतिहास और आलोचनाः नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
14. रीतिकाल सेक्सुअलिटी का समारोहः सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाश, दिल्ली

परीक्षा में अंको का विभाजन – 75 अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न– 20 X 1 = 20
लघु उत्तरीय प्रश्न – 5 X 5 = 25
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 2 X 15 = 30

एम.ए. (हिन्दी)

प्रथम सेमेस्टर–द्वितीय प्रश्नपत्र

पाठ्यक्रम का नाम : आदिकालीन एवं रीतिकालीन काव्य

पाठ्यक्रम कोड : RA010102T

इकाई	पाठ्यक्रम
1	भारतीय धर्म साधना में नाथों व सिद्धों का योगदान तथा उनका साहित्य, आदिकालीन हिन्दी का जैन साहित्य, रीतिकवियों का आचार्यत्व, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियॉं, रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य, रीतिकाव्य में लोक जीवन, रीतिकाव्य की अंतर्वस्तु एवं युगबोध, केशव की संवाद योजना एवं काव्य दृष्टि, बिहारी की काव्य– कला एवं सौंदर्य भावना, घनानंद की प्रेम व्यंजना एवं छंद योजना।
2	पृथ्वीराज रासो का कयमास वध : संपादक माताप्रसाद गुप्त विद्यापति की पदावली : संपादक नरेन्द्र झा (आंरभिक दस पद)
3	रामचंद्रिका : संपादक विजयपाल सिंह (आरंभिक दस पद) भूषण ग्रन्थावली : संपादक आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (आंरभिक दस पद)
4	बिहारी सतसई : संपादक जगन्नाथदास 'रत्नाकर' (आरंभिक तीस दोहे)
5	घनानंद कवित्त : संपादक विश्वनाथ मिश्र (आरंभिक बीस पद)

प्रस्तावित पुस्तकें –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहासः रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिन्दी साहित्य की भूमिकाः हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का आदिकालः हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य का अतीत (दो खंड), विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. पृथ्वीराज रासो : संपा. कविराज मोहन सिंह, राजस्थानी ग्रंथागार, उदयपुर
6. संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो : संपा. हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ. नामवर सिंह
7. विद्यापति पदावली : संपा. रामवृक्ष बेनीपुरी, साहित्य सरोवर, पटना
8. ढोला मारू रा दूहाः संपा. नरोत्तम स्वामी, सूर्यकरण पारीक एवं रामसिंह, राजस्थानी ग्रंथागार, उदयपुर
9. अमीर खुसरो का हिन्दवी काव्यः गोपीचंद नारंग, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

हिंदी रीति साहित्यः भागीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

10. केशवदासः संपा. विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. बिहारी का नया मूल्यांकनः बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. घनानंद का श्रृंगार का काव्यः रामदेव शुक्ल, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली

परीक्षा में अंक विभाजन : कुल योग–75

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–20 X 01 = 20 अंक

व्याख्याएँ –02 X 7.5 = 15 अंक

लघु उत्तरीय प्रश्न–02 X 05 = 10 अंक

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–02 X 15 = 30 अंक

एम.ए. (हिन्दी)
प्रथम सेमेस्टर– तृतीय प्रश्न पत्र
पाठ्यक्रम का नाम : भक्ति कालीन काव्य
पाठ्यक्रम कोड : RA010103T

इकाई	पाठ्यक्रम
1	भक्ति आंदोलन के विभिन्न मत, सम्प्रदाय एवं दार्शनिक पृष्ठभूमि,निर्गुण एवं सगुण कवियों की विचारधारा, कबीर के काव्य में सामाजिक प्रतिरोध, जायसी के काव्य में प्रेम भावना, मीरा के काव्य में लोकतत्व एवं गीति तत्व, सूरकाव्य में वाग्विदग्धता एवं लोकतत्व, सूर का श्रृंगार एवं वात्सल्य वर्णन, तुलसी की काव्य कला, लोक मंगल की अवधारणा
2	कबीर (संपादक– हजारी प्रसाद द्विवेदी) पद संख्या – 161 से 180 तक
3	जायसी (सं. रामचंद्र शुक्ल) पद्मावत का नागमती वियोग खंड
4	मीरा का काव्य (सं. विश्वनाथ त्रिपाठी) आरंभिक दस पद सूरदास (सं. रामचंद्र शुक्ल) भ्रमरगीत सार (पद संख्या– 21 से 50 तक)
5	तुलसीदास रामचरितमानस का उत्तरकांड (प्रारम्भ से 15 दोहे चौपाई) विनय पत्रिका (गीता प्रेस, गोरखपुर) के 05 पद (पद संख्या– 61,149,166,171 और 244)

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. गोस्वामी तुलसीदासः रामचंद्र शुक्ल
2. तुलसी आधुनिक वातायन से : रमेश कुंतल मेघ
3. लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी
4. तुलसी काव्य– मीमांसा : उदयभानु सिंह
5. गोसाई तुलसीदास : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
6. सूरदास : रामचंद्र शुक्ल
7. सूर साहित्य : हजारी प्रसाद द्विवेदी
8. महाकवि सूरदास : नंद दुलारे वाजपेयी
9. सूर और उनका साहित्य : हरवंशलाल शर्मा
10. सूरदास : ब्रजेश्वर वर्मा
11. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी
12. कबीर की विचारधारा : गोविंद त्रिगुणायत
13. कबीर साहित्य की परख : परशुराम चतुर्वेदी
14. त्रिवेणी : रामचंद्र शुक्ल
15. जायसी : विजयदेव नारायण साही
16. मीरा का जीवन–अरविंद सिंह तेजावत, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
17. मीरा की भक्ति एवं राजनीति–अरविंद सिंह तेजावत, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

परीक्षा में अंक विभाजन : कुल योग–75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न–20 X 01 = 20 अंक
व्याख्याएँ –02 X 7.5 = 15 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न–02 X 05 = 10 अंक
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–02 X 15 = 30 अंक

एम.ए. (हिन्दी)
प्रथम सेमेस्टर – चतुर्थ प्रश्न पत्र
पाठ्यक्रम का नाम : जनसंचार एवं हिन्दी पत्रकारिता
पाठ्यक्रम कोड : RA010104T

इकाई	पाठ्यक्रम
1	जनसंचार का अर्थ एवं अवधारणा,जनसंचार माध्यमों की संरचना, संचार माध्यमों का स्वरूप एवं भाषा, (दृश्य– श्रव्य माध्यम)
2	संचार माध्यमों का सामाजिक प्रभाव, सोशल मीडिया और उसकी आवश्यकता
3	समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, संवाद लेखन, पटकथा लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपान्तरण
4	पत्रकारिता : स्वरूप एवं विविध प्रकार हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास, समाचार लेखन कला, संपादन के आधारभूत तत्व
5	साक्षात्कार पत्रकार– वार्ता, प्रेस– प्रबन्धन, प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता

प्रस्तावित पुस्तकें –

1. हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहास –अर्जुन तिवारी
2. अखबारनामा : साम्राज्यवादी पत्रकारिता – आलोक श्रीवास्तव
3. बोलना ही है : रवीश कुमार
4. संचार माध्यम लेखन – गौरी शंकर रैना
5. पत्रकारिता : इतिहास और प्रश्न – कृष्ण बिहारी मिश्र
6. मीडिया, जनतंत्र और आतंकवाद – सुधीश पचौरी
7. मीडिया की बदलती भाषा – डॉ. अजय कुमार सिंह

परीक्षा में अंको का विभाजन – 75 अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न– 20 X 1 = 20
लघु उत्तरीय प्रश्न – 5 X 5 = 25
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 2 X 15 = 30

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, अलीगढ

एम.ए.(हिन्दी)

द्वितीय सेमेस्टर –प्रथम प्रश्न पत्र

पाठ्यक्रम का नाम : हिन्दी साहित्य का इतिहास(आधुनिक काल)

पाठ्यक्रम कोड : RA010201T

इकाई	पाठ्यक्रम
1	भारतेन्दु और उनका युग, भारतेन्दु युगीन काव्य प्रवृत्तियॉं, आधुनिकता का उदय, व अवधारणा, द्विवेदी युगीन काव्य प्रवृत्तियॉं, राष्ट्रीय काव्य धारा, स्वच्छन्दतावाद, छायावाद काव्य की प्रमुख विशेषताएं
2	प्रगतिवाद की अवधारणा, प्रगतिवादी काव्य और प्रमुख कवि, प्रयोगवाद, नई कविता तथा समकालीन कविता
3	हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास, हिन्दी उपन्यास, प्रेमचन्द और उनका युग, प्रेमचन्द के परवर्ती उपन्यासकार, हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास, प्रमुख कहानी आंदोलन एवं प्रमुख कहानीकार
4	हिन्दी नाटक और रंगमंच, विकास के चरण, भारतेन्दु युगीन नाटक, प्रसाद युगीन नाटक, प्रसादोत्तर युगीन नाटक, समकालीन नाटक, हिन्दी एकांकी, हिन्दी का लोक रंगमंच, नुक्कड़ नाटक, हिन्दी निबन्ध का उद्भव और विकास, निबन्ध के प्रकार और प्रमुख निबन्धकार, हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास, समकालीन हिन्दी आलोचना और उसके विविध प्रकार, प्रमुख आलोचक
5	हिन्दी की अन्य विधाएँ: रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा साहित्य आत्मकथा, जीवनी और रिपोर्ताज, डायरी, हिन्दी का प्रवासी साहित्य– अवधारणा एवं प्रमुख साहित्यकार

प्रस्तावित पुस्तकें

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. नगेन्द्र
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह
4. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : बच्चन सिंह
5. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियॉं : नामवर सिंह
6. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय
8. हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी
9. साहित्य का इतिहास दर्शन : नलिन विलोचन शर्मा

परीक्षा में अंको का विभाजन – 75 अंक
वस्तुनिष्ठ **प्रश्न– 20 X 1 = 20**
लघु उत्तरीय प्रश्न – 5 X 5 = 25
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 2 X 15 = 30

एम.ए. (हिन्दी)

द्वितीय सेमेस्टर– द्वितीय प्रश्न पत्र

पाठ्यक्रम का नाम : आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक)

पाठ्यक्रम कोड : RA010202T

इकाई	पाठ्यक्रम
1	मैथिलीशरण गुप्त – साकेत (नवम सर्ग)
2	जयशंकर प्रसाद – आँसू, कामायनी (श्रद्धा, लज्जा और इड़ा सर्ग)
3	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'– जागो फिर एक बार, कुकुरमुत्ता, राम की शक्तिपूजा
4	सुमित्रानंदन पंत – परिवर्तन, नौका विहार, द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र
5	महादेवी वर्मा – मै नीर भरी दुःख की बदली, मिटने का अधिकार, जाग तुझको दूर जाना

नोट : आलोचनात्मक प्रश्न उपर्युक्त इकाईयों में लगे कवियों पर आधारित होंगें।

प्रस्तावित पुस्तकें –

1. आधुनिक हिंदी कविता – डॉ. दुर्गा प्रसाद ओझा
2. निराला की साहित्य – साधना : डा. राम विलास शर्मा
3. प्रसाद की कविता – भोलानाथ तिवारी
4. सुमित्रानंदन पंत – डॉ. नगेन्द्र
5. पन्त की काव्य साधना – रमेश शर्मा
6. समकालीन हिन्दी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
7. छायावाद – नामवर सिंह
8. छायावाद युग – शम्भूनाथ सिंह

परीक्षा में अंक विभाजन : कुल योग–75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न–20 X 01 = 20 अंक
व्याख्याएँ –02 X 7.5 = 15 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न–02 X 05 = 10 अंक
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–02 X 15 = 30 अंक

एम.ए.(हिन्दी)

द्वितीय सेमेस्टर– तृतीय प्रश्न पत्र

पाठ्यक्रम का नाम : भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा का विकास

पाठ्यक्रम कोड : RA010203T

इकाई	पाठ्यक्रम
1	भाषा और भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा विज्ञान की अध्ययन पद्धतियॉ– वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक, भाषा विज्ञान : स्वरूप, व्यापत साहित्य के अध्ययन में भाषा– विज्ञान की उपयोगिता
2	अर्थ विज्ञान – अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ परिवर्तन
3	हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं– मध्यकालीन आर्य भाषाएँ पालि, प्राकृत– अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ अपभ्रंश, अवहठ्ठ और पुरानी हिन्दी का संबंध, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण
4	हिन्दी का भौगोलिक विस्तार : हिन्दी की उपभाषाएँ, खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ, हिन्दी के विविध रूप : हिन्दी, उर्दू, दक्खिनी, हिन्दुस्तानी
5	हिन्दी भाषा– प्रयोग के विविध रूप : बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा, संचार माध्यम और हिन्दी, कम्प्यूटर और हिन्दी, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति, देवनागरी लिपि : विशेषताएं और मानकीकरण।

प्रस्तावित पुस्तकें –

1. सामान्य भाषा विज्ञान – बाबूराम सक्सेना
2. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
3. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्र नाथ शर्मा
4. भाषा और समाज– राम विलास शर्मा
5. हिन्दी भाषा का इतिहास– भोलानाथ तिवारी
6. हिन्दी भाषा और लिपि – डा0 धीरेन्द्र वर्मा
7. हिन्दी भाषा – हरदेव बाहरी

परीक्षा में अंको का विभाजन – 75 अंक
वस्तुनिष्ठ **प्रश्न– 20 X 1 = 20**
लघु उत्तरीय प्रश्न – 5 X 5 = 25
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 2 X 15 = 30

एम.ए. (हिन्दी)

द्वितीय सेमेस्टर –चतुर्थ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

पाठ्यक्रम का नाम : (क) अस्मिता मूलक विमर्श

पाठ्यक्रम कोड : RA010204T

इकाई	पाठ्यक्रम
1	अस्मिता की अवधारणाएँ एवं सिद्धांत, अस्मिता और सत्ता, धर्म और अस्मिता, अस्मिता और राष्ट्र, भूमंडलीकरण और अस्मिता का संकट
2	स्त्री– अस्मिता की अवधारणा, स्त्री– साहित्य, नारीवादी आंदोलन, स्त्रीवादी चिंतन, प्रमुख लेखिका– मन्नू भंडारी, मैत्रेपी पुष्पा, प्रभा खेतान, रमणिका गुप्ता
3	दलित विमर्श एवं दलित साहित्य, दलित आंदोलन एवं उसकी पृष्ठभूमि, दलित साहित्य पर अंबेडकर का प्रभाव, प्रमुख दलित लेखक– ओमप्रकाश वाल्मीकि, डा. तुलसीराम, डॉ. जयप्रकाश कर्दम, मोहनदास नैमिशराय
4	आदिवासी विमर्श की अवधारणा, अस्मिता का प्रश्न, आदिवासियों का शोषण, विस्थापन और विलोपन, प्रमुख आदिवासी लेखक – वंदना टेटे, डॉ. हरिराम मीणा, डॉ. गंगा सहाय मीणा, राम दयाल मुंडा
5	चयनित पाठ्य – अन्या से अनन्या –प्रभा खेतान ठाकुर का कुआँ, वे नहीं जानते– ओम प्रकाश वाल्मीकि मुर्दहिया– डॉ. तुलसीराम ग्लोबल गॉव का देवता – डॉ. रणेन्द्र

प्रस्तावित पुस्तकें

1. स्त्री उपेक्षिता – सिमोन द बुआ, अनुवाद–(प्रभाखेतान)
2. हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास– डॉ. सुमन राजे
3. हिन्दी उपन्यास का स्त्री– पाठ– रोहिणी अग्रवाल
4. दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र– ओम प्रकाश वाल्मीकि
5. आदिवासी और हिन्दी उपन्यास– गंगा सहाय मीणा
6. आदिवासी दर्शन और साहित्य – वंदना टेटे

परीक्षा में अंको का विभाजन – 75 अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न– 20 X 1 = 20
लघु उत्तरीय प्रश्न – 5 X 5 = 25
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 2 X 15 = 30

एम.ए. (हिन्दी)

द्वितीय सेमेस्टर –चतुर्थ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

पाठ्यक्रम का नाम : (ख) अनुवाद : सिद्धान्त एवं व्यवहार

पाठ्यक्रम कोड : RA010204T

इकाई	पाठ्यक्रम
1	अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र प्रक्रिया एवं प्रविधि, हिन्दी सिद्धान्त का व्यवहार, अनुवाद का स्वरूप, हिन्दी प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका
2	कार्यालयी हिन्दी एवं अनुवाद, विज्ञापन में अनुवाद, साहित्य का अनुवाद पत्रों का अनुवाद
3	वैज्ञानिक, तकनीकी एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद, कार्यालयी एवं प्रशासनिक शब्दावली
4	भाषा के विकास में अनुवाद की भूमिका, भाषा के तकनीकी आयाम और अनुवाद की चुनौतियॉं, शिक्षा एवं दूरस्थ शिक्षा में अनुवाद की भूमिका
5	दुभाषिया प्रविधि, अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन

प्रस्तावित पुस्तकें–

1. अनुवादः परम्परा और प्रयोजन–गोपाल शर्मा
2. हिन्दी अनुवाद–परंपरा और अनुशीलन–किशोरीलाल कलवार
3. अनुवाद की प्रक्रिया–तकनीक और समस्याएँ–श्री नारायण समीर

परीक्षा में अंको का विभाजन – 75 अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न– 20 X 1 = 20
लघु उत्तरीय प्रश्न – 5 X 5 = 25
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 2 X 15 = 30

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, अलीगढ़
एम.ए.(हिन्दी)

तृतीय सेमेस्टर –प्रथम प्रश्न पत्र

पाठ्यक्रम का नाम : आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावादोत्तर काव्य)
पाठ्यक्रम कोड : RA010301T

इकाई	पाठ्यक्रम
1	प्रगतिवाद की अवधारणा, प्रयोगवादः शिल्प और कथ्य का स्वरूप, नई कविता का वैशिष्ट्य, लघुमानव की अवधारणा, प्रयोगवाद और नई कविता में अंतर, समकालीन कविता और कविता के बदलते प्रतिमान
2	क–रामधारी सिंह दिनकर–रश्मिरथी (प्रथम तीन सर्ग) ख–नागार्जुन–अकाल और उसके बाद, खुरदरे पैर, शासन की बंदूक, भूस का पुतला
3	क–अज्ञेय–नदी के द्वीप (कविता) असाध्य वीणा, बावरा अहेरी ख–मुक्तिबोध–चॉद का मुॅह टेढ़ा है, मैं तुम लोगों से दूर हूँ ,मुझे कदम–कदम पर,
4	धर्मवीर भारती–अंधायुग नरेश मेहता–संशय की एक रात (सर्ग एक–सांझ का विस्तार और बालू तट)
5	धूमिल–मोचीराम, रोटी और संसद, लोकतंत्र दुष्यंत कुमार–हो गयी है पीर पर्वत सी, बाढ की संभावनाएँ सामने है, कहाँ तो तय था चरागाँ हर एक घर के लिए

प्रस्तावित पुस्तकें–

1–नयी कविता और अस्तित्ववाद–डा. रामविलास शर्मा
2–कविता के नये प्रतिमान–नामवर सिंह
3–आधुनिक हिन्दी कविता–विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
4–समकालीन कविता का यथार्थ–परमानंद श्रीवास्तव
5–नयी कविता की भूमिका–डा. प्रेमशंकर
6–आधुनिक हिन्दी काव्य : रूप और संरचना–निर्मला जैन
7–मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना–नंदकिशोर नवल
8–नागार्जुन और उनकी कविता–नंदकिशोर नवल
9–शब्द पुरूष अज्ञेय–नरेश महेता
10–अज्ञेय की काव्यतितीर्षा–नंदकिशोर आचार्य
11–नयी कविता का वैचारिक आधार–सुधीर पचौरी
12–नागार्जुन का रचना–संसार– डॉ. विजय बहादुर सिंह
13–प्रगतिशील कविता के सौन्दर्य मूल्य–अजय तिवारी
14–मार्क्सवाद और प्रगतिशील साहित्य– डॉ. रामविलास शर्मा
15–प्रगतिवाद–शिवदान सिंह चौहान

परीक्षा में अंक विभाजन : कुल योग–75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न–20 X 01 = 20 अंक
व्याख्याएँ –02 X 7.5 = 15 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न–02 X 05 = 10 अंक
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–02 X 15 = 30 अंक

एम.ए.(हिन्दी)

तृतीय सेमेस्टर – द्वितीय प्रश्न पत्र

पाठ्यक्रम का नाम : हिन्दी कथा–साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)

पाठ्यक्रम कोड : RA010302T

इकाई	पाठ्यक्रम
1	उपन्यास : परिभाषा, स्वरूप और उसके भेद, उपन्यास का उद्भव और विकास, उपन्यास के तत्व कहानी : परिभाषा, स्वरूप और उसके प्रकार, कहानी का उद्भव और विकास, कहानी के तत्व, उपन्यास तथा कहानी में अन्तर
2	उपन्यास : प्रेमचन्द का गोदान
3	उपन्यास : भीष्म साहनी का तमस
4	चयनित कहानियाँ– 1–उसने कहा था–चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' 2–कफन–प्रेमचंद 3–आकाशदीप–जयशंकर प्रसाद 4–अपना–अपना भाग्य – जैनेन्द्र कुमार 5–लाल पान की बेगम–फणीश्वर नाथ 'रेणु'
5	6–राजा निरबंसिया–कमलेश्वर 7–जामुन का पेड़–कृश्न चन्दर 8–सिक्का बदल गया– कृष्णा सोबती 9– वापसी–उषा प्रियम्वदा 10– यही सच है– मन्नू भंडारी

प्रस्तावित पुस्तकें–

1–प्रेमचंद और उनका युग– डॉ. राम विलास शर्मा
2–आज का हिन्दी उपन्यास– डॉ. इंद्रनाथ मदान
3–क्रांति का विचार और हिन्दी उपन्यास–प्रेमसिंह
4–कहानी : नयी कहानी– डॉ. नामवर सिंह
5–नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति–डॉ. देवीशंकर अवस्थी
6– नयी कहानी की भूमिका : कमलेश्वर

परीक्षा में अंक विभाजन : कुल योग–75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न–20 X 01 = 20 अंक
व्याख्याएँ –02 X 7.5 = 15 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न–02 X 05 = 10 अंक
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–02 X 15 = 30 अंक

एम.ए.(हिन्दी)

तृतीय सेमेस्टर – तृतीय प्रश्न पत्र

पाठ्यक्रम का नाम : भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पाठ्यक्रम कोड : RA010303T

इकाई	पाठ्यक्रम
1	काव्य का स्वरूप, काव्य–लक्षण, काव्य के तत्व, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य की आत्मा, काव्य गुण, काव्य दोष
2	रस सम्प्रदाय अलंकार सम्प्रदाय रीति सम्प्रदाय
3	वक्रोक्ति सम्प्रदाय ध्वनि सम्प्रदाय औचित्य सम्प्रदाय
4	प्लेटो–काव्य सिद्धांत अरस्तू–अनुकरण और विरेचन सिद्धांत, त्रासदी विवेचन लोंजाइनस–उदात्त संबंधी विचार वर्ड्सवर्थ का काव्य भाषा सिद्धांत
5	टी.एस.इलियट–परंपरा और वैयक्तिक प्रतिभा का संबंध, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत आई.ए.रिचर्ड्स–मूल्य संप्रेषण तथा काव्य–भाषा सिद्धांत रूसी रूपवाद, यथार्थवाद, बिम्ववाद, प्रतीकवाद, संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद

प्रस्तावित पुस्तकें–

1–रस मीमांसा–रामचंद्र शुक्ल
2–भारतीय काव्यशास्त्र–सत्यदेव चौधरी
3–रीतिकाव्य की भूमिका–नगेंद्र
4–रस सिद्धांत–नगेंद्र
5–भारतीय काव्यशास्त्र–हरीश चंद्र वर्मा
6–भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास–सत्यदेव चौधरी एवं शांति स्वरूप गुप्त
7–भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज–राममूर्ति त्रिपाठी
8–हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास–भगीरथ मिश्र
9–पाश्चात्य काव्यशास्त्र–देवेन्द्रनाथ शर्मा
10–नई समीक्षा–नये संदर्भ–डॉ. नगेन्द्र
11–काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा–निर्मला जैन
12–पाश्चात्य काव्यशास्त्र–नई प्रवृत्तियाँ–राजनाथ
13–संरचनावाद, उत्तर–संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र–गोपीचंद नारंग
14–पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास–तारकनाथ बाली
15–पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा–सावित्री सिन्हा
16–भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास–सत्यदेव चौधरी एवं शांति स्वरूप गुप्त
17–पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा–(संपादक) नगेन्द्र
18–उदात्त के विषय में–निर्मला जैन

परीक्षा में अंको का विभाजन – 75 अंक
वस्तुनिष्ठ **प्रश्न– 20 X 1 = 20**
लघु उत्तरीय प्रश्न – 5 X 5 = 25
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 2 X 15 = 30

एम.ए.(हिन्दी)

तृतीय सेमेस्टर –चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

पाठ्यक्रम का नाम : विशिष्ट कवि अथवा लेखक (क) कबीरदास

पाठ्यक्रम कोड : RA010304T

कबीरदास ग्रंथावली–संपादक श्यामसुन्दर दास (1 से 30 अंग साखी) तथा आरम्भिक 50 पद

अध्ययन बिन्दु–कबीरदास और उनका युग, कबीर की रचनाएँ, कबीरदास का समाज दर्शन, कबीरदास के दार्शनिक विचार, कबीर का रहस्यवाद, कबीर की लोकप्रियता, कबीर की प्रांसगिकता, कबीरदास की काव्यगत विशेषताएँ, उलटवासी, कबीरदास के प्रतीक, कबीर के राम, हठयोग, कुंडलिनी जागरण, अनहदनाद, सुरति–निरति

नोट–(व्याख्याएँ कबीरदास ग्रंथावली के चयनित पदों से तथा आलोचनात्मक प्रश्न अध्ययन बिन्दु से संबंधित पूछे जायेगे)

प्रस्तावित पुस्तकें–

1–कबीर–हजारी प्रसाद द्विवेदी
2–कबीर के आलोचक–डॉ. धर्मवीर
3–कबीर की विचारधारा–गोविन्द त्रिगुणायत
4–आधुनिक कबीर–राजदेव सिंह
5–उत्तर भारत की संत परम्परा–परशुराम चतुर्वेदी

परीक्षा में अंक विभाजन : कुल योग–75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न–20 X 01 = 20 अंक
व्याख्याएँ –02 X 7.5 = 15 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न–02 X 05 = 10 अंक
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–02 X 15 = 30 अंक

एम.ए.(हिन्दी)

तृतीय सेमेस्टर –चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

पाठ्यक्रम का नाम : विशिष्ट कवि अथवा लेखक (ख) मलिक मुहम्मद जायसी

पाठ्यक्रम कोड : RA010304T

जायसी ग्रंथावली–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
पाठ्यग्रंथ–पद्मावत (सम्पूर्ण)
अध्ययन बिन्दु–हिन्दी सूफी काव्य परम्परा और जायसी, जायसी का जीवनवृत्त और कृतित्व 'सूफी' शब्द की व्युत्पत्तिपरक अवधारणा, मसनवी पद्धति, जायसी का रहस्यवाद, जायसी की दार्शनिक मान्यताएँ, जायसी की काव्यकला, जायसी का विरह–वर्णन, जायसी का प्रेम–निरूपण, जायसी का प्रकृति–चित्रण, पद्मावत का काव्यरूप , पद्मावत की भाषा, पद्मावत में भारतीय एवं मसनवी प्रेम–पद्धति, पद्मावती और नागमती का चरित्र–चित्रण, बारहमास का वैशिष्ट्य, नखशिख वर्णन।

नोट–(व्याख्याएँ पद्मावत से तथा आलोचनात्मक प्रश्न अध्ययन बिन्दुओं पर आधारित होगे)

प्रस्तावित पुस्तकें–
1–जायसी ग्रंथावली–आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2–पंडितन केर पछलगा–डॉ. गोपाल नारायण श्रीवास्तव
3–जायसी–विजयदेव नारायण साही

परीक्षा में अंक विभाजन : कुल योग–75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न–20 X 01 = 20 अंक
व्याख्याएँ –02 X 7.5 = 15 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न–02 X 05 = 10 अंक
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–02 X 15 = 30 अंक

एम.ए.(हिन्दी)

तृतीय सेमेस्टर –चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

पाठ्यक्रम का नाम : विशिष्ट कवि अथवा लेखक (ग) सूरदास

पाठ्यक्रम कोड : RA010304T

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रंथ–'सूरसागर' : संपादक–धीरेन्द्र वर्मा (व्याख्या–सूरसागर के भ्रमरगीत से) **अध्ययन बिन्दु–**सूरदास और उनका युग, सूर की भक्ति भावना, सूर का दार्शनिक चिन्तन, सूर का प्रकृति वैभव, सूर का वात्सल्य, सूर का श्रृंगार वर्णन, सूर काव्य में वर्णित ब्रजसंस्कृति, भ्रमरगीत परम्परा में सूर का भ्रमरगीत, गोपियों का प्रेम वर्णन, सहदयता और वाग्विदग्धता, सूरसागर पर भागवत का प्रभाव, सूर के दृष्टिकूटपद, सूरसाहित्य : रीतिसाहित्य की प्रयोगशाला, सूरसाहित्य में गीतात्मकता, सूरसागर में प्रगतिशीलतत्व

नोट–(व्याख्याएँ 'सूरसागर' से तथा आलोचनात्मक प्रश्न अध्ययन बिन्दु पर आधारित होगें)

प्रस्तावित पुस्तकें–

1–सूरदास–रामचन्द्र शुक्ल
2–सूर निर्णय–प्रभुदयाल मित्तल
3–भक्ति आंदोलन और सूर काव्य–मैनेजर पाण्डेय
4–सूर साहित्य–हजारी प्रसाद द्विवेदी
5–सूर का भ्रमरगीत–विश्वम्भर नाथ उपाध्याय

परीक्षा में अंक विभाजन : कुल योग–75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न–20 X 01 = 20 अंक
व्याख्याएँ –02 X 7.5 = 15 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न–02 X 05 = 10 अंक
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–02 X 15 = 30 अंक

एम.ए.(हिन्दी)

तृतीय सेमेस्टर–चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

पाठ्यक्रम का नाम : विशिष्ट कवि अथवा लेखक (घ) तुलसीदास

पाठ्यक्रम कोड : RA010304T

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रंथ–रामचरित मानस, कवितावली, विनय पत्रिका (व्याख्याएँ–रामचरितमानस का अयोध्याकांड, सुन्दरकांड तथा कवितावली का उत्तरकांड) **अध्ययन बिन्दु–**तुलसीदास और उनका युग, तुलसी की प्रामाणिक कृतियाँ, विनय पत्रिका में विनय भावना, गीतावली में गीतितत्व, वात्सल्य वर्णन, कवितावली में भाव–वैभव और शिल्प सौष्ठव, मानस का अंगीरस, तुलसी के काव्य में रामराज्य की अवधारणा, तुलसी का दास्यभाव, तुलसी की भक्ति भावना, तुलसी की नारी विषयक अवधारणा, तुलसी का समन्वयवाद, तुलसीदास का दार्शनिक आधार और साहित्यिक वैशिष्टय, तुलसीदास के काव्य का शिल्प विधान।

नोट–(व्याख्याएँ रामचरितमानस तथा कवितावली के चयनित काण्ड से एवं आलोचनात्मक प्रश्न अध्ययन बिन्दु पर आधारित होगें)

प्रस्तावित पुस्तकें–

1–गोस्वामी तुलसीदास–रामचंद्र शुक्ल
2–तुलसी दर्शन–बलदेव प्रसाद मिश्र
3–रामकथा : उत्पत्ति और विकास–फादर कामिल बुल्के
4–लोकवादी तुलसी–विश्वनाथ त्रिपाठी
5–तुलसीदास और उनका काव्य–रामनरेश त्रिपाठी

परीक्षा में अंक विभाजन : कुल योग–75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न–20 x 01 = 20 अंक
व्याख्याएँ –02 x 7.5 = 15 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न–02 x 05 = 10 अंक
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–02 x 15 = 30 अंक

एम.ए.(हिन्दी)

तृतीय सेमेस्टर –चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

पाठ्यक्रम का नाम : विशिष्ट कवि अथवा लेखक (ड.) मैथिलीशरण गुप्त

पाठ्यक्रम कोड : RA010304T

पाठ्य एवं समीक्ष्य पुस्तक–साकेत, भारत–भारती, यशोधरा, (व्याख्याएँ–साकेत के नवम् सर्ग, भारत भारती के वर्तमान खण्ड एवं यशोधरा से) **अध्ययन बिन्दु**–द्विवेदी युग और मैथिलीशरण गुप्त, मैथिलीशरण गुप्त का जीवन, साहित्यिक यात्रा, काव्य वैशिष्ट्य, राष्ट्रीय भावना, नारी विषयक भावना, नवीन प्रयोग, वैष्णव भावना, साकेत का नामकरण, उद्देश्य, नायकत्व, मौलिक उद्भावनाएँ, महाकाव्यत्व, नवमसर्ग का काव्य वैशिष्ट्य, भारत–भारती का प्रतिपाद्य एवं काव्य वैशिष्ट्य, यशोधरा का प्रतिपाद्य एवं काव्य वैशिष्ट्य, चरित्र–चित्रण तथा शिल्पगत प्रयोग।

नोट–(व्याख्याएँ साकेत के नवम् सर्ग, भारत भारती के वर्तमान खण्ड तथा यशोधरा से एवं आलोचनात्मक प्रश्न अध्ययन बिन्दु पर आधारित होगें।)

प्रस्तावित पुस्तकें–

1–गुप्त जी की काव्यधारा–गिरिजादत्त शुक्ल
2–मैथिलीशरण गुप्त का पुनर्मूल्यांकन–डॉ. नगेन्द्र
3–अतीत के हंस : मैथिलीशरण गुप्त–प्रभाकर श्रोत्रिय
4–साकेत : एक अध्ययन–डॉ. नगेन्द्र

परीक्षा में अंक विभाजन : कुल योग–75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न–20 X 01 = 20 अंक
व्याख्याएँ –02 X 7.5 = 15 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न–02 X 05 = 10 अंक
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–02 X 15 = 30 अंक

एम.ए.(हिन्दी)

तृतीय सेमेस्टर – चतुर्थ प्रश्न पत्र

पाठ्यक्रम का नाम : विशिष्ट कवि अथवा लेखक (च) जयशंकर प्रसाद (वैकल्पिक)

पाठ्यक्रम कोड : RA010304T

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रंथ –कामायनी स्कन्दगुप्त (नाटक)
अध्ययन बिन्दु – छायावाद और प्रसाद, प्रसाद का जीवनवृत्त और कृतित्व, 'कामायनी' की ऐतिहासिकता, दार्शनिक पृष्ठभूमि, रूपक तत्व, रहस्यवाद, आधुनिक संदर्भ में कामायनी का वस्तुविधान एवं काव्य रूप, 'ऑसू' का व्यष्टि एवं समष्टि, काव्यगत सौन्दर्य, आलम्बन और विरह वेदना, प्रसाद का प्रेम और सौन्दर्य, प्रसाद की नाट्यकला, स्कन्दगुप्त नाटक का उद्देश्य, नाटक का अंतर्वस्तु, चरित्रचित्रण, नाटक की मंचीयता।

नोट– (व्याख्याएं कामायनी तथा स्कन्दगुप्त से एवं आलोचनात्मक प्रश्न अध्ययन बिन्दुओं पर आधारित होगें।)

प्रस्तावित पुस्तकें–

(1) कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ– डॉ. नगेन्द्र
(2) कामायनी सौन्दर्य – फतेह सिंह
(3) प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर प्रसाद
(4) जयशंकर प्रसाद– नंददुलारे वाजपेयी
(5) प्रसाद के नाटक एवं नाट्य शिल्प –शान्ति स्वरूप गुप्त
(6) राष्ट्रीय नवजागरण और प्रसाद के नाटक– इन्दुमती सिंह

परीक्षा में अंक विभाजन : कुल योग–75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न–20 X 01 = 20 अंक
व्याख्याएँ –02 X 7.5 = 15 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न–02 X 05 = 10 अंक
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–02 X 15 = 30 अंक

एम.ए.(हिन्दी)

तृतीय सेमेस्टर – चतुर्थ प्रश्न पत्र

पाठ्यक्रम का नाम : विशिष्ट कवि अथवा लेखक (छ) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'(वैकल्पिक)

पाठ्यक्रम कोड : RA010304T

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रंथ
काव्य – तुलसीदास, बादलराग तथा सरोज स्मृति
उपन्यास – 'निरूपमा'

अध्ययन बिन्दु– छायावाद और निराला, निराला का जीवन अवरेख, निराला की काव्य कृतियॉं, निराला की गद्य कृतियॉं, निराला का मुक्त छंद, निराला की लम्बी कविताएँ, शोक गीत का वैशिष्ट्य , उपन्यासकार निराला, निराला का आत्मकाव्य, प्रकृति चित्रण, निराला का दार्शनिक चिंतन, निराला– वैविध्य के कवि, निराला का प्रगतिवादी काव्य, राष्ट्रीय चेतना के कवि निराला, निराला का काव्य वैशिष्ट्य, निराला के काव्य में गीति तत्व।

प्रस्तावित पुस्तकें–

1. निराला की साहित्य– साधना : डॉ. राम विलास शर्मा
2. महाकवि निराला– नंददुलारे वाजपेयी
3. राम की शक्ति पूजा – डॉ. नगेन्द्र
4. निराला कृति से साक्षात्कार– नंदकिशोर नवल
5. निराला : आत्महंता आस्था– दूधनाथ सिंह
6. क्रांतिकारी कवि निराला– डॉ. बच्चन सिंह
7. निराला : एक पुनर्मूल्यांकन – डॉ. ए. अरविन्दाक्षन
8. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला– ये.ये. चेलिशेव

नोटः (व्याख्याएं काव्य भाग से तथा आलोचनात्मक प्रश्न अध्ययन बिन्दु पर आधारित होंगें।)

परीक्षा में अंक विभाजन : कुल योग–75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न–20 X 01 = 20 अंक
व्याख्याएँ –02 X 7.5 = 15 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न–02 X 05 = 10 अंक
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–02 X 15 = 30 अंक

एम.ए.(हिन्दी)

तृतीय सेमेस्टर – चतुर्थ प्रश्न पत्र

पाठ्यक्रम का नाम : विशिष्ट कवि अथवा लेखक (ज) प्रेमचंद (वैकल्पिक)

पाठ्यक्रम कोड : RA010304T

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रंथ उपन्यास – कर्मभूमि, निर्मला कहानी संग्रह– प्रेम– मंजूषा (वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली)
अध्ययन बिन्दु – प्रेमचंद और उनका युग, कथा सम्राट प्रेमचंद का अवदान, निर्मला की चारित्रिक विशेषताएं, कर्मभूमि के पात्र, कर्मभूमि का केन्द्रीय विषय, प्रेमचंद की कहानियों की विशेषताएं, प्रेमचंद के प्रमुख आलोचक, प्रेमचंद की भाषा, प्रेमचंद के साहित्य में ग्राम्य और कृषक जीवन, प्रेमचंद के साहित्य में स्त्री विमर्श, समाज– मनोविज्ञान, प्रेमचंद के उपन्यासों का कथातात्विक विवेचन, प्रेमचंद के साहित्य में समाज, प्रेमचंद के उपन्यासों में प्रगतिशील चेतना।

नोट– (व्याख्याएं चयनित उपन्यासों से तथा आलोचनात्मक प्रश्न अध्ययन बिन्दु से संबंधित होंगें।)

परीक्षा में अंक विभाजन : कुल योग–75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न–20 X 01 = 20 अंक
व्याख्याएँ –02 X 7.5 = 15 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न–02 X 05 = 10 अंक
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–02 X 15 = 30 अंक

एम.ए.(हिन्दी)

तृतीय सेमेस्टर – चतुर्थ प्रश्न पत्र

पाठ्यक्रम का नाम : विशिष्ट कवि अथवा लेखक (झ) आचार्य रामचंद्र शुक्ल (वैकल्पिक)

पाठ्यक्रम कोड : RA010304T

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रंथ चिन्तामणि (भाग 1 एवं भाग 2)– रामचंद्र शुक्ल हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
अध्ययन बिन्दु :निबंधकार रामचंद्र शुक्ल, आलोचक रामचंद्र शुक्ल, इतिहासकार रामचंद्र शुक्ल, शुक्ल जी की दृष्टि में कविता, हृदय की मुक्तावस्था, सहृदय की अवधारणा, साधारणीकरण, हिन्दी आलोचना के विकास में रामचंद्र शुक्ल का योगदान, शुक्ल जी की आलोचक विषयक मान्यताएं, शुक्ल की व्यवहारिक आलोचना, परवर्ती हिन्दी आलोचना पर रामचंद्र शुक्ल का प्रभाव।

नोट – (व्याख्याएँ चिंतामणि से तथा आलोचनात्मक प्रश्न अध्ययन बिन्दुओं पर आधारित होगें)
प्रस्तावित पुस्तकें–

1– आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना – डॉ. रामविलास शर्मा
2– आचार्य रामचंद्र शुक्ल : सिद्धान्त और साहित्य– डॉ. जयचंद राय
3– आचार्य रामचंद्र शुक्ल – शम्भूनाथ पाण्डेय
4– आचार्य रामचंद्र शुक्ल और चिंतामणि– कृष्णदेव शर्मा
5– साहित्य और इतिहास दृष्टि –मैनेजर पाण्डेय
6– हिन्दी आलोचना की परंपरा और रामचंद्र शुक्ल– शिवकुमार मिश्र

परीक्षा में अंक विभाजन : कुल योग–75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न–20 X 01 = 20 अंक
व्याख्याएँ –02 X 7.5 = 15 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न–02 X 05 = 10 अंक
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–02 X 15 = 30 अंक

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, अलीगढ़

एम.ए.(हिन्दी)
चतुर्थ सेमेस्टर –प्रथम प्रश्न पत्र

पाठ्यक्रम का नाम : नाटक एवं गद्य की अन्य विधाएँ

पाठ्यक्रम कोड : RA010401T

इकाई	पाठ्यक्रम
1	नाटक एवं निबन्ध नाटक (1) चन्द्रगुप्त–जयशंकर प्रसाद (2) आषाढ़ का एक दिन–मोहन राकेश निबन्ध (क) भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है–भारतेन्दु हरिश्चंद (ख) श्रद्धा और भक्ति, कविता क्या है–रामचंद्र शुक्ल (ग) नाखून क्यों बढ़ते है–हजारी प्रसाद द्विवेदी
2	आत्मकथा एवं जीवनी एक कहानी यह भी (आत्मकथा) –मन्नू भंडारी आवारा मसीहा (जीवनी)–विष्णु प्रभाकर
3	संस्मरण एवं रेखाचित्र पथ के साथी (संस्मरण)–महादेवी वर्मा माटी की मूरतें (रेखाचित्र)–रामवृक्ष बेनीपुरी
4	रिपोर्ताज एवं व्यंग्य–रचना ऋणजल–धनजल (रिपोर्ताज)–फणीश्वर नाथ रेणु भोलाराम का जीव, इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर (व्यंग्य रचनाएं) –हरिशंकर परसाई
5	यात्रावृत्तांत एवं साक्षात्कार अरे यायावर रहेगा याद (यात्रावृत्तांत)–अज्ञेय प्रेमचंद के साथ दो दिन (साक्षात्कार)–बनारसीदास चतुर्वेदी

प्रस्तावित पुस्तकें–

1–हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास–दशरथ ओझा
2–आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच–नेमिचंद जैन
3–प्रसाद के नाटक : देश और काल की बहुआयामिता–रमेश गौतम
4–मोहन राकेश और उनके नाटक–गिरीश रस्तोगी
5–साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबंध–महादेवी वर्मा
6–दूसरी परंपरा की खोज–डॉ. नामवर सिंह
7–आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास–डॉ. बच्चन सिंह
8–हिन्दी का गद्य साहित्य–डा. रामचंद्र तिवारी
9–हिन्दी साहित्य का इतिहास–संपादक डॉ. नगेन्द्र

परीक्षा में अंक विभाजन : कुल योग–75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न–20 X 01 = 20 अंक
व्याख्याएँ –02 X 7.5 = 15 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न–02 X 05 = 10 अंक
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–02 X 15 = 30 अंक

एम.ए.(हिन्दी)
चतुर्थ सेमेस्टर – द्वितीय प्रश्न–पत्र

पाठ्यक्रम का नाम : (क) हिन्दी साहित्य की वैचाारिक पृष्ठभूमि (वैकल्पिक)

पाठ्यक्रम कोड : RA010402T

इकाई	पाठ्यक्रम
1	मध्ययुगीनता और आधुनिकता का द्वन्द, 1857 की क्रान्ति एवं स्वाधीनता आन्दोलन की वैचारिक पृष्ठभूमि, भारतीय नवजागरण तथा हिन्दी नवजागरण, हिन्दी नवजागरण के स्त्रोत और उसका प्रभाव
2	खड़ा बोली आन्दोलन, फोर्ट विनियम कॉलेज महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण, राष्ट्रीयचेतना का उदय,सांमतवाद एवं साम्राज्यवाद विरोधी साहित्य।
3	गाँधीवादी दर्शन और साहित्य पर उसका प्रभाव, अम्बेडकर दर्शन एवं साहित्य पर उसका प्रभाव, लोहिया दर्शन
4	मार्क्सवाद : हिन्दी साहित्य पर मार्क्सवाद का प्रभाव, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद
5	आधुनिकता और उत्तर आधुनिकता, नयी समीक्षा और उसकी मान्यताएँ।

<u>प्रस्तावित पुस्तकें–</u>

साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका– मैनेजर पाण्डेय

महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी जनजागरण– डा0 राम विलास शर्मा

मार्क्सवाद और प्रगतिशील साहित्य– डा0 राम विलास शर्मा

आधुनिकता और सर्जनशीलता– डा0 रघुवंश

उत्तर आधुनिकता की ओर – डा0 कृष्णदत्त पालीवाल

नयी समीक्षा के प्रतिमान– निर्मला जैन

नयी समीक्षा : नये संदर्भ– डा0 नगेन्द्र

हिन्दी आलोचना का सैद्धान्तिक आधार– डा0 कृष्णदत्त पालीवाल

हिन्दी नवजागरण– डा0 गजेन्द्र पाठक

रस्साकशी– डा0 वीर भारत तलवार

परीक्षा में अंको का विभाजन – 75 अंक
वस्तुनिष्ठ **प्रश्न– 20 X 1 = 20**
लघु उत्तरीय प्रश्न – 5 X 5 = 25
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 2 X 15 = 30

एम.ए.(हिन्दी)
चतुर्थ सेमेस्टर – द्वितीय प्रश्न पत्र

पाठ्यक्रम का नाम : (ख) भारतीय साहित्य (वैकल्पिक)

पाठ्यक्रम कोड : RA010402T

इकाई–1	भारतीय साहित्यः स्वरूप एवं अवधारणाएँ, भारतीय साहित्य का स्वरूप, हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
इकाई–2	भारतीय साहित्य : प्रतिनिधि उपन्यास संस्कार (कन्नड़)– यू.आर.अनन्तमूर्ति
इकाई–3	भारतीय साहित्य : प्रतिनिधि कहानियाँ 1– कुर्रतुल ऐन हैदर– अगले जन्म मोहि बिटिया ही कीजो। (उर्दू) 2– एन.टी. वासुदेव नायर– दुश्मन (मलयालम) 3– इन्दिरा गोस्वामी – एक अविस्मरणीय यात्रा (असमिया)
इकाई–4	भारतीय साहित्य– प्रतिनिधि कविताएँ 1– जी शंकर कुरूप– बॉसुरी (मलयालम) 2– सुब्रमण्यम भारती – यह है भारत देश हमारा (तमिल) 3– सीताकान्त महापात्रा– चूल्हे की आग (उड़िया)
इकाई–5	भारतीय साहित्य : प्रतिनिधि नाटक विजय तेन्दुलकर– घासीराम कोतवाल (मराठी)

प्रस्तावित पुस्तकें–

1. भारतीय साहित्य की संक्षिप्त रूपरेखा – विजय शंकर मिश्रा
2. आज का भारतीय साहित्य– साहित्य अकादमी
3. भारतीय साहित्य की भूमिका– डॉ. रामविलास शर्मा
4. भारतीय साहित्य – डॉ.नगेन्द्र
5. भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ एवं प्रस्तावनाएँ– डा.के. सच्चिदानन्द

परीक्षा में अंक विभाजन : कुल योग–75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न–20 X 01 = 20 अंक
व्याख्याएँ – 02 X 7.5 = 15 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न–02 X 05 = 10 अंक
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–02 X 15 = 30 अंक

एम.ए.(हिन्दी)
चतुर्थ सेमेस्टर –तृतीय प्रश्न पत्र

पाठ्यक्रम का नाम : (क) हिन्दी आलोचना (वैकल्पिक)

पाठ्यक्रम कोड : RA010403T

इकाई–1	हिन्दी आलोचना का स्वरूप, हिन्दी आलोचना का विकास, शुक्लयुगीन हिन्दी आलोचना, शुक्लोत्तर युगीन हिन्दी आलोचना, स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी आलोचना।
इकाई–2	हिन्दी आलोचना की विविध प्रणालियाँ– काव्यशास्त्रीय, स्वच्छंदतावादी, मनोविश्लेषणवादी, व्यक्तिवादी, सौन्दर्यवादी, प्रभाववादी, समाजशास्त्रीय तुलनात्मक
इकाई–3	हिन्दी आलोचक– आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
इकाई–4	हिन्दी आलोचक– डा0 नगेन्द्र, डा0 बच्चन सिंह, डा0 रामस्वरूप चतुर्वेदी।
इकाई–5	हिन्दी के मार्क्सवादी आलोचक– डा0 रामविलास शर्मा, डा0 शिवदान सिंह चौहान, डा0 नामवर सिंह

प्रस्तावित पुस्तकें–

1– त्रिवेणी– रामचंद्र शुक्ल
2– कबीर– हजारी प्रसाद द्विवेदी
3– हिन्दी साहित्य की भूमिका– हजारी प्रसाद द्विवेदी
4– हिन्दी साहित्य का इतिहास– रामचन्द्र शुक्ल
5– भाषा और समाज– डा0 रामविलास शर्मा
6– रस सिद्धांत – डा. नगेन्द्र
7– दूसरी परंपरा की खोज– नामवर सिंह
8– कविता के नये प्रतिमान – नामवर सिंह
9– साहित्य की परख– शिवदान सिंह चौहान
10– नयी कविता– नंददुलारे वाजपेयी

परीक्षा में अंको का विभाजन – 75 अंक
वस्तुनिष्ठ **प्रश्न– 20 X 1 = 20**
लघु उत्तरीय प्रश्न – 5 X 5 = 25
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 2 X 15 = 30

एम.ए.(हिन्दी)

चतुर्थ सेमेस्टर– तृतीय प्रश्नपत्र

पाठ्यक्रम का नाम : (ख) हिन्दी सिनेमा और साहित्य (वैकल्पिक)

पाठ्यक्रम कोड : RA010403T

इकाई–1	सिनेमा का स्वरूप, सिनेमा का उद्भव, दर्शक और स्क्रीन का संबंध, सिनेमा के प्रकार– कथात्मक, दस्तावेजी तथा प्रयोगात्मक सिनेमा
इकाई–2	सिनेमा का इतिहास, सिनेमा का आंरभिक युग, साठ के बाद का न्यू वेब सिनेमा
इकाई–3	इंटरनेट और 21वीं सदी में सिनेमा के नए रूप, वेब सीरीज, ओटीटी सिनेमा
इकाई–4	हिन्दी सिनेमा : समाज और संस्कृति, मनोविज्ञान और सिनेमा स्त्री–विमर्श और सिनेमा, राष्ट्रीयता और सिनेमा
इकाई–5	सिनेमा और साहित्य का संबंध, साहित्यिक कृतियों पर बनी हिन्दी फिल्में, विशेष अध्ययनः गोदान, शतरंज के खिलाड़ी, तीसरी कसम, रजनीगंधा

प्रस्तावित पुस्तकें–

1. लेखक का सिनेमा : कुँवर नारायण
2. पठकथा लेखन : मनोहर श्याम जोशी
3- Film Theory : An In Indroduction Through the senses,- Thomus Malte
4. हिन्दी सिनेमा सदी का सफर– अनिल भार्गव
5. साहित्य सिनेमा और समाज– पूरनचंद टण्डन, सुनील कुमार तिवारी
6. भारतीय सिनेमा का सफरनामा– सं0– जयसिंह
7. समय, सिनेमा और इतिहास– संजीव श्रीवास्तव
8. सिनेमा का जादुई सफर– प्रताप सिंह

परीक्षा में अंको का विभाजन – 75 अंक
वस्तुनिष्ठ **प्रश्न– 20 X 1 = 20**
लघु उत्तरीय प्रश्न – 5 X 5 = 25
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 2 X 15 = 30

एम.ए.(हिन्दी)
चतुर्थ सेमेस्टर – चतुर्थ प्रश्न पत्र

पाठ्यक्रम का नाम : (क) लोक साहित्य (वैकल्पिक)

पाठ्यक्रम कोड : RA010404T

इकाई–1	लोकवार्ता और लोकसाहित्य; परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र तथा महत्व, लोकमानस, लोकसंगीत, लोक संस्कृति, रीतिरिवाज एवं परम्पराएँ
इकाई–2	लोक साहित्य के विभिन्न रूपों का वर्गीकरण लोकगाथा– परिभाषा, वर्गीकरण, उत्पत्ति एवं विशेषताएँ, ढोलामारू, गोपीचंद, नल–दमयन्ती, लैला–मजनू, लोरिक–चंदा, आल्हा लोकगीत– श्रमगीत, संस्कारगीत, ऋतुगीत, देवी–देवताओं से संबंधित लोकगीत
इकाई–3	लोककथा– परिभाषा, वर्गीकरण एवं विशेषताएँ, लोककथा, व्रतकथा, परीकथा तथा कथानक रूढ़ियाँ लोकनाट्य– परिभाषा, वर्गीकरण, उत्पत्ति, परम्परा तथा विशेषताएँ, नौटंकी, बिदेसिया, रामलीला, रासलीला,भवाई, भांड, तमाशा, जात्रा। प्रकीर्ण साहित्य– कहावत, लोकोक्ति, मुहावरा और बुझौवल
इकाई–4	लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास , हिन्दी साहित्य और भाषा के विकास में लोकसाहित्य का अवदान
इकाई–5	लोक साहित्य के अध्येताओं का प्रदेय– रामनरेश त्रिपाठी, डा0 सत्येन्द्र, श्याम परमार, कृष्णदेव उपाध्याय, देवेन्द्र सत्यार्थी, लोक साहित्य के संकलन में आने वाली कठिनाइयाँ एवं निवारण के उपाय

प्रस्तावित पुस्तकें–

1. भारतीय लोकगीत : सांस्कृतिक अस्मिता– सुरेश गौतम
2. भारतीय लोक साहित्य – श्याम परमार
3. लोक साहित्य के प्रतिमान– कुंदनलाल उप्रेती
4. लोक साहित्य की सांस्कृतिक परंपरा– मनोहर शर्मा
5. लोक–साहित्य विज्ञान – धीरेन्द्र वर्मा
6. लोक साहित्य की भूमिका – कृष्णदेव उपाध्याय
7. लोकगीत पाठ एवं विमर्श – सत्यप्रिय पांडेय
8. लोक का आलोक– पीयूष दहिया

परीक्षा में अंको का विभाजन – 75 अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न– 20 X 1 = 20
लघु उत्तरीय प्रश्न – 5 X 5 = 25
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 2 X 15 = 30

एम.ए.(हिन्दी)
चतुर्थ सेमेस्टर – चतुर्थ प्रश्न पत्र
पाठ्यक्रम का नाम : (ख) प्राचीन भाषा पालि (वैकल्पिक)

पाठ्यक्रम कोड : RA010404T

इकाई–1	अभिनवपालिपाठावली (संपादक – राजकिशोर सिंह) पाठ्य पुस्तक से गद्यानुवाद
इकाई–2	अभिनवपालिपाठावली पाठ्य पुस्तक से पद्यानुवााद
इकाई–3	पालि साहित्य का इतिहास, पालि भाषा का परिचय, पालि साहित्य का महत्व, पिटक साहित्य का परिचय,जातकों का महत्व
इकाई–4	भारतीय संस्कृति में बौद्धधर्म का योगदान, बौद्ध धर्म के प्रमुख सम्प्रदाय, बुद्ध की प्रमुख शिक्षाएँ– अष्ठांगिक मार्ग, आर्यसत्य, धम्मपद, ब्रह्म विचार, बोधिसत्व, मध्यम प्रतिपदा, पंचशील और दशशील।
इकाई–5	पालि व्याकरण– संन्धि : सरोलोपो सरे, परोक्वचि, यबासरे। शब्द रूप– बुद्ध, फल, अग्नि, भिक्षु धातु रूप– भू, हस, पठ्, गम् कि परस्मैपद के लट्, लोट, विधिलिंग तथा लृट लकार के रूप

<u>प्रस्तावित पुस्तकें–</u>

1. पालि साहित्य का इतिहास– राहुल सांकृत्यायन
2. पालि–हिन्दी कोस – भदन्त आनन्द कौसल्यायन
3- A History of pali literature- Bimla Churan
4. पालि व्याकरण– स्वामी द्वारिका दास शास्त्री
5. पालि व्याकरण– भिक्षु धर्मरक्षित
6. पालि भाषा और व्याकरण के विविध आयाम– डा0 अजय कुमार सिंह
7. पालि साहित्य का इतिहास– भरत सिंह उपाध्याय

परीक्षा में अंक विभाजन : कुल योग–75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न–20 X 01 = 20 अंक
व्याख्याएँ – 02 X 7.5 = 15 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न–02 X 05 = 10 अंक
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–02 X 15 = 30 अंक